



भारत का अज्ञापन The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY -

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238] नई दिल्ली, ब्रिटिश वार, दिसम्बर 2, 1992/अग्रहायण 11, 1914
No. 238] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 2, 1992/AGRAHAYANA 11, 1914

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या वी पासी है जिससे यह अलग संस्करण के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वागिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना सं. 82 (पो एन) / 92—97

नई दिल्ली, 2 दिसम्बर, 1992

फा. सं. आई पो सो/3/8/85(भाग):—विधीन-प्रायात नोति, 1992—97 के पंराप्राप्त
16 के अन्तर्गत प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिवेशक विदेश भारत एतद्वारा
प्रक्रिया पुस्तक, 1992—97 के अध्याय-5 में होठत, पर्यटन तथा परिव्रमण उद्योग के बारे
में प्रक्रियाओं के उदारीकरण के अगले उपाय के रूप में निम्नलिखित संशोधन करते हैं:—

1. पंराप्राप्त 45 को निम्नलिखित द्वारा प्रति स्थापित रिया जाएगा:—

“परिव्रमण अभिकर्ता, पर्यटन प्रबालक और रेस्टरॉन।—“पर्यटन महानिवेशक, भारत सरकार
या राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त परिव्रमण अभिकर्ता पर्यटन प्रबालक और रेस्टरॉन पिछले

लाइसेंसिंग वर्ष के द्वीरान अपने द्वारा अंजित विदेशी मुद्रा के 2.5 प्रतिशत मूल्य तक के आयात माहसेस के हक्कार होंगे। ऐसे लाइसेंस स्वयं उनके व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए अपेक्षित कार्यालय तथा अन्य उत्पक्कर सहित परिव्रमण तथा पर्वटन उद्योग से संबंधित अस्थायक भाल के आयात हेतु मंजूर किए जा सकते हैं।"

2. पराप्राक 48 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"आयात लाइसेंसों का अंतरण,—उपर्युक्त पराप्राक 44 और 45 के अन्तर्गत मंजूर किए गए आयात लाइसेंस होटल, पर्वटन या परिव्रमण उद्योग में लो हुए किसी यूनिट, प्रभाग या कानूनी को मुक्त रूप से अन्तरित किए जा सकते हैं।"

3. पराप्राक 49 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

"वास्तविक प्रयोक्ता शर्त,—हालांकि उपर्युक्त पराप्राक 44 और 45 के अन्तर्गत मंजूर किए गए आयात लाइसेंस होटल, पर्वटन या परिव्रमण उद्योग में मुक्त रूप से हस्तांतरणीय हैं, फिर भी स्वयं या अधिगृहीत लाइसेंसों के मद्दे आयातित भाल वास्तविक प्रयोक्ता शर्त के अध्यधीन होंगे तथा उन्हें भारतीय विदेशी व्यापार को अनुमति के बिना हस्तांतरित नहीं किया जाएगा।"

2. उक्त संशोधन लोकहित में किए गए हैं।

सो. के. मोदी, भारतीय विदेशी व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 82(PN)/92—97

New Delhi, the 2nd December, 1992

F. No. IPC[3]8|85(Pt.).—In exercise of the powers conferred under paragraph 16 of the Export and Import Policy, 1992—97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in Chapter V of the Hand Book of Procedures, 1992—97 as a further measure of liberalisation of procedures in hotel, tourism and travel industry:—

1. Paragraph 45 shall be substituted by the following:—

"Travel agents, tour operators and restaurants.—Travel agents, tour operators and restaurants, recognised by the Director General of Tourism, Government of India or a State Government, shall be entitled to import licences upto a value of 2.5 per cent of the foreign exchange earned by them during the preceding licensing year. Such licences may be granted for import of essential goods related to the travel and tourism industry, including office and other equipment required for their own professional use."

2. Paragraph 48 shall be substituted by the following :—

“Transfer of import licences.—The import licences granted under paragraphs 44 and 45 above are freely transferable to any unit, division or company engaged in hotel, tourism or travel industry.”

3. Paragraph 49 shall be substituted by the following :—

“Actual user condition.—Although the import licences granted under paragraphs 44 and 45 above are freely transferable within the hotel, tourism or travel industry, the goods imported against own or acquired licences shall be subject to actual user condition and shall not be transferred without the permission of the Director General of Foreign Trade.”

2. The above amendments have been made in public interest.

C. K. MODI, Director General of Foreign Trade

